

साप्ताहिक

कोबरा डॉट कोम

वर्ष : 17 अंक : 30

भोपाल गुरुवार 20 अगस्त 2026

पृष्ठ : 8 मूल्य : 2 रुपये

प्रेम प्रसंग में बाधा बनी मां, बेटी ने चलती कार में रेटा गला, रात भर कार में शव रखा

कोबरा डॉट कोम । न्यूज़

मंगलौर/मेरठ। प्रेम प्रसंग के चलते एक कलयुगी बेटी द्वारा अपनी ही मां की बेरहमी से हत्या करने का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। मां को रास्ते से हटाने के लिए बेटी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर ऐसी खौफनाक साजिश रची जिसने हर किसी को सन्न कर दिया है। आरोपियों ने चलती कार में पीछे से मां का गला रेटा और फिर शव को करीब 125 किलोमीटर तक घुमाने के बाद मंगलौर में गंगनहर किनारे झाड़ियों में फेंक दिया। उत्तराखंड की मंगलौर पुलिस ने 24 घंटे के भीतर इस अंधी हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए हत्यारोपी बेटी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि मृतका की पहचान मेरठ के नटेशपुरम निवासी कविता (42) पत्नी अरविंद पंवार के रूप में हुई। 17 अगस्त को बेटी उन्नति (20) और उसका प्रेमी आकाश चौहान (निवासी दूल्हेड़ा, मेरठ) कविता को मनोना धाम (बरेली) दर्शन कराने के बहाने ब्रेजा कार से ले गए। योजना के मुताबिक, मेरठ में एक मंदिर के दर्शन कराने के बाद जब वे आगे बढ़े, तो ड्राइविंग कर रहे आकाश ने कविता को बातों में उलझाए रखा। इसी दौरान कार की पिछली सीट पर बैठी उन्नति ने अपनी मां का चाकू से गला रेत दिया। हत्या के दौरान उन्नति और आकाश के कपड़े खून से सन गए थे। पुलिस के मुताबिक, वारदात के बाद दोनों मेरठ के एक मार्ट में गए, वहां से नए कपड़े खरीदे और पहने। इसके बाद वे शव को कार में रखकर हरिद्वार की तरफ निकल गए। मंगलवार तड़के करीब 4:40 बजे जब शव से दुर्गंध आनी शुरू हुई, तो घबराए आरोपियों ने मंगलौर पहुंचकर पुराने गंगनहर पुल के पास झाड़ियों में शव को फेंक दिया और फरार हो गए।

अंबिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग पूरी तरह ठप, प्रतापपुर में हाथी ने ली व्यक्ति की जान, शव सड़क पर रखकर उग्र प्रदर्शन

अंबिकापुर। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर वन परिक्षेत्र में हाथी के हमले से एक ग्रामीण की मौत के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने गुरुवार सुबह अंबिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग पर पोड़ी मोड़ के पास सड़कजाम कर दिया। सुबह नौ बजे से शुरू जाम के कारण मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई है। जानकारी के अनुसार ग्राम सिंधरा निवासी रामलाल (50) बुधवार को मोटरसाइकिल से ग्राम सरहरी गया थे। सरहरी से घर वापस लौटते समय अचानक हाथी से सामना हो गया। हाथी ने रामलाल को कुचलकर मार डाला और मोटरसाइकिल को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद वन विभाग की टीम जब मौके पर पहुंची तो गांव वालों ने नाराजगी जताई। किसी तरह मामला शांत हुआ था। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर अंबिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि मृतक के आश्रितों को 20 लाख रुपये मुआवजा दिया जाए और परिवार के दो सदस्यों को वन विभाग में स्थाई नौकरी दी जाए।

21 अगस्त को देखें जन नायकन -वेलकम टू द जंगल, वीकेंड पर घर बैठे मिलेगा एंटरटेनमेंट का फुल डोज

नई दिल्ली। डिजिटल एंटरटेनमेंट के शौकीनों के लिए यह हफ्ता बेहद रोमांचक होने जा रहा है। अगस्त के इस हफ्ते OTT प्लेटफॉर्म पर हंसी-मजाक, क्राइम-थ्रिलर, ड्रामा और रियलिटी शो का शानदार कॉकटेल रिलीज होने जा रहा है। नेटफ्लिक्स से लेकर जियोहॉटस्टार और जी5 तक, हर जगह ऑडियंस के लिए नया कंटेंट उपलब्ध है। 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की यह नई हिंदी कॉमेडी फिल्म सितारों की लंबी फौज के साथ आ रही है। इसमें गलतफहमियों, एक्शन, ड्रामे और जबर्दस्त कॉमेडी का तड़का लगाया गया है, जहां किरदार एक खतरनाक स्थिति में फंसकर अराजकता पैदा करते हैं।

लाइली बहनों को राखी के शगुन के साथ मिली लाइली बहना योजना की राशि

बहनों का सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सवा करोड़ से अधिक लाइली बहनों के खातों में अंतरित किए 2148.30 करोड़ रुपए

बहनों को राखी से पहले मिला 1750 रु. का उपहार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहनों का पुष्प वर्षा कर किया स्वागत, बंधवाई राखियां

कोबरा डॉट कोम । न्यूज़

भोपाल, जसं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बहन-बेटियां हमारे घर-आंगन की रौनक हैं। बहन-बेटियों का मान-सम्मान और इनका आर्थिक सशक्तिकरण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन तो साल में एक बार आता है, लेकिन हमारी सरकार हर महीने बहनों से उनकी रक्षा का वादा पूरा कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी लाइली बहनों को हर महीने सौगात मिल रही है। उन्होंने कहा कि शारदा मां के आशीर्वाद से मैहर अब्दूत स्थान है। बुंदेलखंड की वीरता के प्रतीक आल्हा-ऊदल मां शारदा के अनन्य भक्त हैं। हमारी भारतीय संस्कृति में उदारता और रिश्तों का सम्मान करने की परम्परा है। हम भारतीय परंपरा वसुधैव कुटुम्बकम अनुसार पूरे विश्व को अपना परिवार



मानते हैं। हमने आज ही मैहर से प्रदेश की सभी लाइली बहनों को नैहर की नेग (राज्य सरकार का उपहार) दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मैहर में हुए राज्यस्तरीय लाइली बहना सम्मेलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैहर में मां शारदा भवानी के दर्शन किए। इसके बाद इसी जिले की प्रतिभावान हॉकी खिलाड़ी सुश्री अनन्या अवधिया और सुश्री उन्नति पांडे के साथ प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 13 हजार से अधिक लाइली बहनों के खातों में मुख्यमंत्री लाइली बहना योजना की 39वीं किश्त और रक्षाबंधन के विशेष शगुन के 250 रुपए (कुल 1750 रुपए) के रूप में 2 हजार 148 करोड़ रुपए सिंगल क्लिक से बैंक खातों में अंतरित किये। जून 2023 में मुख्यमंत्री लाइली बहना योजना की शुरुआत से अगस्त 2026 तक 39 किश्तों में लाइली बहनों के खातों में 63 हजार 248 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की जा चुकी है। चालू

वित्त वर्ष 2026-27 में योजना के लिए 23,882.81 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान रखा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल में भारतीय सेना बहनों के मान-सम्मान की रक्षा के लिए सशक्त बनी है। रक्षाबंधन का धागा भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है। राज्य सरकार बहनों के सम्मान से कभी समझौता नहीं करती है। लाइली बहना योजना के अंतर्गत हर माह बहनों का राशि भेजी जा रही है। प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख लाइली बहनों का आशीर्वाद सरकार को मिल रहा है। हर साल रक्षाबंधन से पहले बहनों को 250 रुपए का शगुन भी भेजा जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैहर जिले में लगभग 256 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 25 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैहर में उस्ताद अलाउद्दीन खां स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय लाइली बहना सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले की विकास गतिविधियों और कार्यक्रमों तथा योजनाओं की उपलब्धि पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी बहनें विवाह के पूर्व माता-पिता के घर को संवारती हैं और विवाह के बाद पूरे ससुराल की जिम्मेदारी अपने ऊपर उठा लेती हैं। बहनों का यह त्याग वंदनीय है। भारतीय संस्कृति में मां-बेटियां परिवारों की धुरी हैं। माताएं अपनी चिंता नहीं कर पूरे परिवार का ख्याल रखती

हैं। राज्य सरकार ने अगले 5 साल तक लाइली बहनों को लाइली बहना योजना की राशि देने का निर्णय कैबिनेट में लिया है। अगले 5 वर्ष में 1 लाख 14 हजार करोड़ रुपए से अधिक राशि बहनों को मिलेगी। लाइली बहना योजना की राशि परिवार की छोटी-मोटी जरूरतें पूरी हो जाती हैं। राज्य सरकार बहनों को सशक्त बनाने के लिए हर संभव कार्य कर रही है। हमारी बहनें स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। रोजगार परक उद्योगों में काम करने पर बहनों को वेतन में पाँच हजार रुपए अलग से लाभ दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने उज्जैन के महाकाल लोक के बाद प्रदेश में विभिन्न देवस्थानों के विकास का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में श्रीराम वनगमन पथ, चित्रकूट में मंदाकिनी नदी की धारा को अवरिल रखने और विकास कार्यों के लिए 3 हजार करोड़ के कार्य मंजूर किए गए हैं। मैहर में 9 करोड़ रुपए की लागत से मां शारदा लोक निर्माण के पहले चरण का भूमि-पूजन आज हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में नक्सलवाद के खात्मे के बाद अब नशे के खिलाफ अभियान चल रहा है। राज्य सरकार ने 19 धार्मिक स्थानों पर शराब दुकानें बंद की हैं। भावी पीढ़ियों को नशे से बचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। नशे से पीड़ियां बर्बाद हो जाती हैं। परिवार के सदस्य बच्चों को नशे से दूर रखने और उनके बेहतर भविष्य के लिए बच्चों से संवाद हमेशा बनाए रखें।

बारिश ने सतना-चित्रकूट में बिगाड़े हालात,

रामघाट में सड़क पर चली नाव, अस्पताल-दुकानें और बस्तियां जलमग्न

कोबरा डॉट कोम । न्यूज़

सतना/चित्रकूट। लगातार दो दिन से हो रही भारी बारिश ने सतना और चित्रकूट जिले में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों के साथ शहरी इलाकों में भी जलभराव के हालात बने हुए हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी इस सीजन के सबसे बड़े उफान पर पहुंच गई। जलस्तर खतरे के निशान से करीब 130 सेंटीमीटर ऊपर पहुंचने पर रामघाट, भरतघाट और लंका तिराहा जलमग्न हो गए। सड़कों पर नाव चलने लगी, करीब 200 दुकानों और सैकड़ों घरों में पानी घुस गया।

पानी भरने से वाहनों की आवाजाही पर रोक

हालांकि पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश थमने के बाद दोपहर तक नदी का जलस्तर बढ़ना रुका, लेकिन प्रशासन अलर्ट है। रामघाट जाने वाले दोनों रास्तों पर बैरिकेडिंग कर आवागमन बंद कर दिया गया है। आरोग्यधाम मार्ग पर भी पानी भरने से वाहनों की आवाजाही रोक दी गई। कामदगिरि, भरतघाट, सती अनुसुइया और



गुप्त गोदावरी के रास्ते प्रभावित हैं। भरतघाट का अधिकांश आरती स्थल डूब गया है। पुलिस, एसडीईआरएफ, प्रशासन और नगर परिषद की टीमों लगातार स्थिति पर नजर रख रही हैं। प्रमोद वन सामुदायिक भवन में 70 लोगों की क्षमता वाला अस्थायी आश्रय स्थल बनाया गया है। प्रशासन ने लोगों से जलमग्न रास्तों, पुल-पुलियों और नदी किनारे जाने से बचने की अपील की है। बारिश, जलभराव या अन्य आपात स्थिति की सूचना कलेक्टर कार्यालय के हेल्पलाइन नंबर 07672-223211 पर देने को कहा गया है।

शहरी इलाकों में भी पानी-पानी

सतना शहर में कई सड़कों और निचले इलाकों में जलभराव से आवागमन प्रभावित हुआ। स्कूल परिसरों में पानी भरने से परेशानी बढ़ी। संदीपनी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का मुख्य द्वार जलमग्न हो गया, जबकि करीब खुर्द स्कूल में पानी अंदर तक पहुंच गया। देवरी कैप स्कूल चारों ओर पानी भरने से टापू जैसा नजर आया। कई स्थानों पर कच्चे मकानों के गिरने की भी सूचना है। कोटर नगर में बस स्टैंड की दुकानें, अस्पताल, नगर परिषद

कार्यालय और सड़कें जलमग्न हो गईं। नादी और नाले उफान पर हैं। रामपुर बघेलान की लामीकरही बस्ती में पांच फीट तक पानी भरने से कई परिवार घर छोड़ने को मजबूर हुए। ग्रामीणों ने सरकारी नाले और जमीन पर अतिक्रमण को जलभराव का कारण बताते हुए सड़क जाम कर स्थायी समाधान की मांग की।

नदियों के उफान से कई मार्ग बंद

मझगांव-मानिकपुर मार्ग पर बभिया गांव का रफ्टा डूब गया। पिंडरा नदी का पानी घरों में घुसा और मझगांव में एक कच्चे मकान की दो दीवारें गिर गईं। बिरसिंहपुर-सेमरिया मार्ग पर मऊ नदी के उफान से आवागमन बंद कराया गया। असरावल, सेमरावल, तुरी और नदना नदियां भी उफान पर हैं और कई गांवों का संपर्क प्रभावित हुआ है। उधर टमस नदी का जलस्तर 287.16 मीटर पहुंच गया है, जो 289 मीटर के खतरे के निशान के करीब है। बाणसागर-बकिया बैराज के गेट खुलने और लगातार बारिश से रीवा-त्न्योथर के तराई क्षेत्रों में भी बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव की अध्यक्षता वाली संस्था डिफॉल्टर, 19 एकड़ जमीन की होगी ई-नीलामी



कोबरा डॉट कॉम | न्यूज़

खरगोन। जिले की बड़ी सहकारी संस्थाओं में शुमार जवाहरलाल नेहरू सहकारी एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस प्रोसेसिंग सोसाइटी लिमिटेड (सूत मिल) पर वित्तीय संकट के बादल गहरा गए हैं। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी), क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल ने संस्था पर बकाया 24.16 करोड़ से अधिक की भारी-भरकम राशि वसूलने के लिए उसकी करोड़ों रुपए मूल्य की अचल संपत्तियों की ई-नीलामी का नोटिस जारी कर दिया है। यह पूरी कार्रवाई वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन (सरफेसी) अधिनियम, 2002 के तहत की जा रही है।

इस मामले में खास बात यह है कि इस डिफाल्टर सहकारी संस्था के अध्यक्ष पूर्व केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री व वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण यादव हैं। वहीं सूत मिल की स्थापना पूर्व उपमुख्यमंत्री व कांग्रेस के दिग्गज सहकारी नेता स्व. सुभाष यादव ने करीब 40 साल पहले की थी। उक्त मामला सिर्फ एनसीडीसी का है, सूत मिल के 400 से अधिक श्रमिक व कर्मचारी ग्रेच्युटी, बोनस व बकाया वेतन के लिए वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। श्रमिक संगठन के हिसाब से उनके भी 15 करोड़ रुपए से अधिक बकाया है और इसे लेकर वे यहां-वहां चक्कर काट रहे हैं। सालभर पहले लिया था सांकेतिक कब्जा

निगम के अनुसार, जवाहरलाल नेहरू सहकारी एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस प्रोसेसिंग सोसाइटी लिमिटेड को ऋण अदायगी के लिए छह मई 2025 को 20 करोड़ 97 लाख 91 हजार 380 रुपए की मांग सूचना (डिमांड नोटिस) जारी की गई थी। संस्था द्वारा बकाया राशि का भुगतान न किए जाने पर निगम के प्राधिकृत अधिकारी ने 25 अगस्त 2025 को संपत्तियों का सांकेतिक कब्जा ले लिया था। इसके बाद भी कर्ज नहीं चुकाया गया। गत 16 जुलाई की स्थिति में संस्था पर निगम की कुल देय बकाया राशि बढ़कर 24 करोड़ 16 हजार 39 हजार 17 रुपए पर पहुंच चुकी है, जिस पर आगे का ब्याज और अन्य प्रभार भी अतिरिक्त रूप से देय होंगे। इसी राशि की वसूली के लिए अब संपत्तियों को बेचा जा रहा है।

नीलामी के अधीन संपत्तियों का ब्यौरा और आरक्षित मूल्य

एनसीडीसी द्वारा जारी सूचना के अनुसार, खरगोन जिले की दो प्रमुख बेशकौमती संपत्तियों की ई-नीलामी आगामी 23 सितंबर को आयोजित की जाएगी। पहला लाट ग्राम खेड़ी बुजुर्ग में स्थित खसरा संख्या 13 की 9.78 एकड़ कृषि व औद्योगिक भूमि का है। इस भूमि पर बने सभी भवन, संरचनाएं आदि नीलामी में शामिल हैं। इसके लिए आरक्षित मूल्य चार करोड़ 25 लाख रुपए व बयाना राशि 42 लाख 50 हजार रुपए तय की गई है। दूसरा लाट ग्राम रहीमपुरा के खसरा संख्या 11/4/1 में दर्ज 9.47 एकड़ भूमि, उस पर बनी सभी इमारतों आदि है। इसका आरक्षित मूल्य तीन करोड़ 83 लाख 29 हजार रुपए व बयाना राशि 38 लाख 32 हजार 900 रुपए निर्धारित है। तय शर्तों के अनुसार नीलामी में शामिल होने वाले इच्छुक 16 सितंबर को संपत्तियों का भौतिक निरीक्षण कर सकते हैं और निर्धारित कार्रवाई कर 23 सितंबर को ई-नीलामी में शामिल हो सकते हैं।

श्रमिक-कर्मचारी व अंशधारक परेशान

सूत मिल श्रमिक व कर्मचारी संगठन इंटक खरगोन के अध्यक्ष राजेश पाटीदार व महासचिव विकास पटेल ने बताया कि करीब 400 श्रमिक व कर्मचारी वर्षों से अपनी बकाया ग्रेच्युटी, बोनस व बकाया वेतन के लिए संघर्ष कर रहे हैं लेकिन निराकरण नहीं निकल रहा। प्रबंधन संतोषपूर्ण जवाब नहीं दे रहा। कई मामले अलग-अलग स्तर पर न्यायालय में भी विचाराधीन हैं। उन्होंने बताया कि हमारा करीब 15 करोड़ रुपए बकाया है। उधर, सूत मिल के प्रभारी प्रबंध निदेशक दीपक कट्टी ने बताया कि उक्त दो खसरे की भूमि नीलामी के लिए एनसीडीसी को स्वीकृति दी है। नीलामी के बाद जो स्थिति बनेगी, उस हिसाब से शेष देयक अदा करने के लिए प्रबंधन द्वारा निर्णय लिया जाएगा।

झोली व खटिया के सहारे नदी पार करने की मजबूरी, खरगोन के गांव में पुल नहीं होने से परेशान होते हैं ग्रामीण



कोबरा डॉट कॉम | न्यूज़

खरगोन। विकासखंड के वनांचल क्षेत्र स्थित वन ग्राम धरमपुरी का डोंगल्यापानी गांव आज भी प्रशासनिक दावों व विकास के नारों की कड़वी हकीकत बयां कर रहा है। आजादी के दशकों बाद भी यहां के ग्रामीण जान जोखिम में डालकर उफनती कुंदा नदी पार करने को विवश हैं।

आलम यह है कि ग्रामीणों को पीपलझोपा पहुंचने के लिए एक ही नदी को पांच बार पार करना पड़ता है। वर्षाकाल में गांव किसी टापू में तब्दील हो जाता है। सबसे बदतर स्थिति मरीजों व गर्भवती महिलाओं की होती है, जिन्हें अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस तो दूर, पक्की सड़क तक नसीब नहीं है। स्वजन व ग्रामीण मजबूरी में मरीजों को खटिया पर लेटाकर या कपड़े की झोली बनाकर उफनती नदी पार कराने का जानलेवा जोखिम उठाते हैं। गांव के राकेश नावें ने बताया कि पुल व सड़क निर्माण के लिए लंबे समय से गुहार लगाई जा रही है। दो साल पहले ग्रामीणों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर सड़क निर्माण का

ज्ञापन सौंपा था। वहीं पिता तूफानसिंह नावें ने विधायक को भी लिखित में आवेदन देकर पुल निर्माण की मांग की थी। इसके बावजूद आज तक स्थिति जस की तस है। ग्रामीणों का कहना है कि डोंगल्यापानी, खरतिया फालिया व सूरया फालिया के करीब 90 परिवारों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है।

सीधे रास्ते में कम लागत फिर भी अनदेखी

धरमपुरी होकर जाने वाला 10 किलोमीटर का वैकल्पिक रास्ता भी बदहाली का शिकार है। वहां जाने के लिए भी एक नदी व नाले पार करने पड़ते हैं। पूरा मार्ग कच्चा व पथरीला है। ग्रामीणों का तर्क है कि इस 10 किलोमीटर लंबे रास्ते पर सड़क, घाट कटिंग और निर्माण कार्य कराने की तुलना में डोंगल्यापानी के सीधे रास्ते पर पुल-पुलियाएं बनाने में लागत काफी कम आएगी। यदि यहां पुल बन जाता है तो पीपलझोपा व भगवानपुरा मुख्यालय के साथ-साथ झिरन्या ब्लाक के रायलबेड़ा, टांडावाड़ी व धुपा जैसे वनांचल गांव सीधे सड़क संपर्क से जुड़ जाएंगे।

दफनाने के अगले दिन कब्र से निकाला महिला का शव, मायके वालों ने पति पर लगाया हत्या और सिगरेट से दागने का आरोप

कोबरा डॉट कॉम | न्यूज़

खरगोन। शहर के मोतीपुरा के समीप स्थित मुस्लिम कब्रिस्तान में 15 अगस्त को दफनाई गई 29 वर्षीय विवाहिता का शव दूसरे ही दिन रविवार को कब्र से निकाला गया। मायके पक्ष की शिकायत पर पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में उक्त कार्रवाई की गई। मायके वालों ने मृतिका के पति पर हत्या का आरोप लगाते हुए संदिग्ध मौत करार देते हुए जांच की मांग की है। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है।

विवाहिता की संदिग्ध मौत

पुलिस के अनुसार शहर के मोहन टॉकिज निवासी नीलोफर पति नईम की रविवार को मौत हो गई थी। बताया गया कि नीलोफर ने 15 अगस्त को एसिड पी लिया था, तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल लाने के बाद उसे रेफर किया गया, रास्ते में उसकी मौत हो गई। मृतिका के भाई फरहान शेख ने बताया कि नीलोफर की शादी को नौ साल हो गए हैं। जीजा नईम और बहन दोनों की यह



दूसरी शादी है। फरहान ने आरोप लगाया कि नईम ने पहली बीवी से तलाक होने की जानकारी देकर दूसरा निकाह किया था, लेकिन निकाह के बाद भी दूसरी पत्नी के संपर्क में था। इसी के चलते दोनों के बीच विवाद होते थे। उनका सात साल

का बेटी व चार साल का बेटा है। परिजनों ने आरोप लगाया कि मृतिका के शरीर पर जगह-जगह चोट के निशान हैं। उनका आरोप है कि नईम आए दिन मारपीट करता था। परिजनों ने नीलोफर के शरीर पर प्राइवेट पार्ट सहित कई

जगह सिगरेट से दागने के भी आरोप लगाए हैं। परिजनों ने बताया कि नीलोफर शिक्षित होकर निजी स्कूल में पढ़ाती थी, वह आत्महत्या जैसा घातक कदम नहीं उठा सकती। परिवार ने आरोप लगाया कि 15 अगस्त को जब नीलोफर

की मौत हुई तो, मायके पक्ष को धोखे में रखकर अस्पताल के कागजों पर हस्ताक्षर करवा लिए और जल्दबाजी में उसके दफना दिया।

पीएम रिपोर्ट के बाद होगा खुलासा

15 अगस्त की सुबह नीलोफर पति नईम ने एसिड पीया था, उसे निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया था। पुलिस ने सूचना मिलने पर महिला के कथन लेने चाहे लेकिन वह बात करने की हालत में नहीं थी। हालत बिगड़ने पर इंदौर ले जाते समय महिला की मौत हो गई। शाम के समय ससुराल व मायके पक्ष ने सहमति जताते हुए अंतिम संस्कार कर दिया था। रविवार को मायके पक्ष ने मौत पर संदेह जताते हुए जांच की मांग की। परिजनों का आरोप है कि बेटी की हत्या की गई है। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है। इसके बाद एसडीएम के आदेश पर तहसीलदार की मौजूदगी में कब्र खुदवाई गई। इसके बाद शव का पीएम हुआ है। पीएम रिपोर्ट बाद स्थिति का खुलासा होगा।

- राजेंद्र सिरसाठ, निरीक्षक खरगोन

स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन राष्ट्रसेवा, सुशासन और विकास के लिए रहा है समर्पित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में ‘अटल पथ’ इंदौरवासियों को किया समर्पित

60 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के विकास कार्यों की दी सौगात

अटल जी के आदर्शों और विकास के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा इंदौर

कोबरा डॉट कोम | न्यूज़

भोपाल। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में बड़ी सौगात देते हुए 60 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन किया। उन्होंने अन्नपूर्णा रोड से रिंग रोड को जोड़ने वाले 16 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से नवनिर्मित मार्ग ‘अटल पथ’ का लोकार्पण किया। साथ ही उन्होंने टिगरिया बादशाह मेन रोड से कुशवाह नगर होते हुए उज्जैन नाका-बाणगंगा तक बनने



वाले लिंक रोड सहित अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमि पूजन भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. श्री अटल जी के राष्ट्र निर्माण में योगदान और उनके आदर्शों को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर स्वच्छता, सेवा और सुशासन का सिरमौर है। इंदौर से मध्यप्रदेश में नई तकनीक और नवाचार की गंगा बह रही है। आज फिर यहां एक नया नवाचार देखने को मिला है। उन्होंने चिड़ियाघर में विकसित किए जा रहे आकर्षक नवाचारों के लिए सभी बधाई दी। उन्होंने कहा कि इन कार्यों में सरकार पर अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं आएगा, लेकिन सरकार की हिस्सेदारी के साथ निजी सहभागिता से ऐसे नवाचारों को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि अटल जी का इंदौर से गहरा संबंध रहा है।

वे उत्कृष्ट राजनेता, लेखक, कवि और कुशल वक्ता होने के साथ लोकतंत्र की गरिमा को स्थापित करने वाले अजातशत्रु राजनेता थे। उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की भूमिका को गरिमा के साथ निभाने का आदर्श प्रस्तुत किया। उनके जीवन से आज के राजनेताओं को सीखना चाहिए कि नेता की भूमिका, उसका आचरण और व्यवहार कैसा होना चाहिए।

अटल जी के नाम पर विकास कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अटल जी के नाम पर अटल पथ का लोकार्पण करते हुए उन्हें विशेष प्रसन्नता हो रही है। इंदौर में इच्छाशक्ति और जनभागीदारी से किए जा रहे विकास कार्य शहर को नई दिशा दे रहे हैं। उन्होंने अटल जी की प्रतिमा सहित लगभग 60 करोड़ रुपये की लागत से सात विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि पूजन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सुशासन और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लगभग 18 करोड़ रुपये की लागत से टिगरिया बादशाह मुख्य मार्ग से कुशवाह नगर होते हुए उज्जैन नाका तक बनने वाली सड़क सिंहस्थ के दौरान भी अत्यंत उपयोगी साबित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर और उज्जैन में होने वाले विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक

सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए आने-जाने के सभी प्रमुख मार्गों का सुदृढ़ीकरण आवश्यक है। इसी क्रम में फूटी कोठी चौराहे से संत श्री सेवालाल ब्रिज के सर्विस रोड का भी लगभग 7 करोड़ रुपये की लागत से भूमि पूजन किया गया है।

अटल जी के सपनों को साकार कर रही सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अटल जी ने अपने शासनकाल में भारत को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की मजबूत नींव रखी। परमाणु शक्ति संपन्न भारत, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, स्वर्णिम चतुर्भुज जैसी अनेक योजनाएं उनके दूरदर्शी नेतृत्व की देन हैं। उन्होंने नदी जोड़ो अभियान का सपना भी देखा था, जिसे अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन-बेतवा तथा पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजनाओं के माध्यम से मध्यप्रदेश और राजस्थान के बड़े क्षेत्र को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि नर्मदा के पानी ने मालवा-निमाड़ और इंदौर क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है। अटल जी की उपस्थिति में इंदौर में नर्मदा जल आने का उत्सव मनाया गया था। आज नर्मदा का पानी पेयजल, सिंचाई और औद्योगिक गतिविधियों के लिए क्षेत्र के

विकास का आधार बन चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर महानगर के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के साथ भोपाल मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र और अब जबलपुर तथा ग्वालियर को भी आधुनिक विकास की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। इंदौर को अंतर्राष्ट्रीय विमानतल का दर्जा मिलने से वैश्विक कनेक्टिविटी मजबूत हुई है। अबूधाबी के लिए नियमित उड़ानों के साथ आने वाले समय में अन्य अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी भी बढ़ेगी।

इंदौर-उज्जैन मार्ग के सुदृढ़ीकरण, इंदौर-मनमाड़ रेल परियोजना और दिल्ली मार्ग से इंदौर की सीधी रेल कनेक्टिविटी जैसी परियोजनाएं आने वाले समय में शहर की आर्थिक गतिविधियों को नई गति देंगी। इंदौर-पीथम्पुर आर्थिक कॉरिडोर सहित विभिन्न परियोजनाओं से रोजगार और निवेश के नए अवसर पैदा होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर से ओंकारेश्वर और महाकालेश्वर के दर्शन के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होना धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि है। श्रद्धालुओं को हेलीकॉप्टर से दोनों ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के साथ स्थानीय परिवहन और अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह मालवा के आतिथ्य और पर्यटन विकास की नई पहचान बन रहा है।

भोपाल में BDS छात्र ने फांसी लगाकर दी जान, प्रेमिका से चल रही थी अनबन, परिवार ने लगाए उकसाने के आरोप



कोबरा डॉट कोम | न्यूज़

भोपाल। पिपलानी क्षेत्र में बीडीएस (बैचल आफ डेंटल सर्जरी) के छात्र सुनील जायसवाल ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। युवक स्वजनों का फोन नहीं उठा रहा था, जिसके बाद उन्होंने दोस्तों से संपर्क कर रूम पर भेजा। वहां सुनील फांसी के फंदे पर लटका मिला। उसके पास से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। वहीं परिजनों ने उसकी प्रेमिका पर खुदकुशी को उकसाने का आरोप लगाया है। सीधी जिले का था निवासी पुलिस के अनुसार पिपलानी क्षेत्र में रहने

वाला 24 वर्षीय सुनील मूलतः सीधी जिले का रहने वाला था। उसके पिता जगनलाल जायसवाल रेलवे में निजी ठेकेदारी करते हैं। दो भाइयों में छोटा सुनील करीब दो साल से भोपाल में रहकर बीडीएस की पढ़ाई कर रहा था।

प्रेमिका से चल रही थी अनबन

मामा राज के अनुसार सुनील का एक युवती से प्रेम संबंध था और दोनों के बीच कुछ दिनों से अनबन चल रही थी। सुनील ने रिश्ते में चल रही परेशानी की जानकारी मामा को भी दी थी। पुलिस ने मृतक का मोबाइल फोन जब्त कर उसकी जांच शुरू की है।

सागर पुलिस ने सायबर अपराध के लिए म्यूल बैंक खातों का नेटवर्क संचालित करने वाली गैंग का किया पर्दाफाश

16 से अधिक फर्जी फर्मों के नाम से बैंक खाते खुलवाकर करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेन-देन का खुलासा

कोबरा डॉट कोम | न्यूज़

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा सायबर अपराध एवं सायबर ठगी के नेटवर्क को समाप्त करने के लिए तकनीकी साक्ष्यों, बैंकिंग ट्रांजेक्शन के विश्लेषण एवं डिजिटल इन्वेस्टिगेशन के माध्यम से लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सागर पुलिस ने बेरोजगार एवं सामान्य व्यक्तियों के दस्तावेजों का दुरुपयोग कर उनके नाम से फर्जी फर्म एवं म्यूल बैंक खाते खुलवाकर सायबर अपराध एवं अन्य संदिग्ध गतिविधियों से प्राप्त राशि का सर्कुलेशन करने वाले संगठित नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 03 अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही

है। पुलिस अधीक्षक सागर श्री अनुराग सुजानिया के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीना श्री जयवीर सिंह भदौरिया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सागर श्री नरेंद्र सोलंकी के मार्गदर्शन में थाना मकरोनिया पुलिस द्वारा यह कार्रवाई की गई। 13 अगस्त को थाना मकरोनिया में फरियादी रोहित पिता रूपराज पटेल द्वारा शिकायत प्रस्तुत की गई कि उसके दस्तावेजों का दुरुपयोग कर उसके नाम से फर्जी फर्म तैयार की गई तथा उसके आधार पर फेडरल बैंक, शाखा मकरोनिया में करंट अकाउंट खुलवाया गया है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने संबंधित बैंक खाते का तत्काल परीक्षण एवं तकनीकी-आर्थिक विश्लेषण कराया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि फरियादी के नाम से “ग्लैमर इंटरप्राइजेस” नामक फर्म तैयार कर करंट अकाउंट खुलवाया गया था। इस खाते में फरवरी 2026 से अब तक लगभग छह माह की अवधि में करीब 90 लाख रुपये का



लेन-देन पाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में विशेष टीम गठित कर बैंक खातों में हुए लेन-देन, संबंधित फर्मों, बैंकिंग चैनल एवं उपलब्ध तकनीकी साक्ष्यों का विस्तृत विश्लेषण किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों से की गई गहन पूछताछ एवं तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण में गिरोह के नेटवर्क के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह के सदस्य बेरोजगार एवं सामान्य व्यक्तियों को कमीशन तथा आसान कमाई का लालच देकर उनके आधार कार्ड एवं

अन्य दस्तावेज प्राप्त करते थे। इन दस्तावेजों के आधार पर उनके नाम से फर्जी फर्म तैयार कर विभिन्न निजी बैंकों में करंट अकाउंट खुलवाए जाते थे। बाद में इन बैंक खातों को गिरोह अपने नियंत्रण में लेकर म्यूल अकाउंट के रूप में इस्तेमाल करता था। इन खातों के माध्यम से सायबर ठगी तथा अन्य संदिग्ध गतिविधियों से प्राप्त राशि को विभिन्न खातों में भेजने एवं उसका सर्कुलेशन करने का कार्य किया जा रहा था।

16 से अधिक फर्जी फर्मों का खुलासा

आरोपियों से प्राप्त जानकारी तथा

तकनीकी एवं बैंकिंग विश्लेषण के आधार पर अब तक 16 से अधिक फर्जी फर्मों का पता लगाया गया है। इन फर्मों से संबंधित बैंक खातों के प्रारंभिक वित्तीय विश्लेषण में 5 करोड़ 50 लाख रुपये से अधिक के लेन-देन का पता चला है। पुलिस द्वारा सभी खातों के लेन-देन का विस्तृत तकनीकी एवं वित्तीय विश्लेषण किया जा रहा है। पुलिस द्वारा फर्जी फर्मों के पंजीयन एवं संबंधित बैंक खातों को खोलने की पूरी प्रक्रिया की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगा रही है कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर फर्मों के पंजीयन तथा बैंक खातों के संचालन में किन-किन व्यक्तियों अथवा संस्थाओं की भूमिका रही है। यदि जांच में किसी व्यक्ति अथवा संस्था की लापरवाही या आपराधिक संलिप्तता सामने आती है तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

15 अगस्त के दो दिन बाद तक करोड़ों लोगों को नहीं पता था अपना देश, भारत-PAK बॉर्डर कैसे रखा गया गुप्त

कोबरा डॉट कोम । न्यूज

नई दिल्ली। भारत को 15 अगस्त 1947 को ब्रिटेन के शासन से आजादी मिल गई थी। इस मौके पर एक तरफ पूरे देश में जश्न का माहौल था तो वहीं दूसरी तरफ विभाजन की चोट भी महसूस की जा रही थी। एक चौकाने वाली बात यह थी कि 15 अगस्त को जब आजादी का एलान हुआ था तब विभाजन ठीक से शुरू तक नहीं हो पाया था। यानी करोड़ों लोगों को यही नहीं पता था कि 15 अगस्त के दिन वे किस देश में खड़े होकर आजादी का जश्न मना रहे हैं। इस भ्रम की स्थिति की एक बड़ी वजह यह थी कि ब्रिटिश शासन ने भारत-पाकिस्तान की आजादी और विभाजन को तो मंजूरी दे दी थी, लेकिन दोनों को किस तरह बांटा गया, उसे सार्वजनिक नहीं किया गया। यह काम हुआ 17 अगस्त को, यानी आजादी के एलान के दो दिन बाद।

आजादी के बाद भी ब्रिटिश शासन ने क्यों गुप्त रखीं भारत-पाकिस्तान की सीमाएं?

भारत और पाकिस्तान की सीमाओं को तय करने का काम साइरिल रेडक्लिफ को दिया गया था। ब्रिटेन में एक जाने-माने बैरिस्टर और शाही परिवार के वफादार माने जाने वाले रेडक्लिफ को दोनों देशों के बॉर्डर स्थापित करने के लिए पांच से छह हफ्तों का ही समय मिला था। वह भी तब, जब वे खुद कभी 1947 से पहले तक भारत नहीं आए थे। ऐसे में बेहद कम समय में उन्होंने न सिर्फ अलग-अलग क्षेत्रों का दौरा किया, बल्कि विभाजन से जुड़ी पूरा ब्योरा तैयार किया। हालाँकि, इसे आजादी के दिन 15 अगस्त 1947 के बजाय 17 अगस्त 1947 को रिलीज किया गया। इसके पीछे तब कई छिपे हुए राजनीतिक और व्यवहारिक कारण सामने आए थे।

पहला तर्क: आजादी के जश्न के फीके पड़ने और हिंसा भड़कने की आशंका

अंतिम वायसर्गों लॉर्ड माउंटबेटन का मानना था कि अगर 15 अगस्त से पहले सीमाओं की घोषणा कर दी गई तो इससे आजादी के जश्न का उत्साह फीका पड़ सकता था। इसके अलावा, पहले से ही विभाजन के मुद्दे पर खड़े बेहद संवेदनशील और तनावपूर्ण माहौल के और ज्यादा हिंसक और विस्फोटक होने का गंभीर खतरा था।

दूसरा तर्क: विवादित फैसलों पर नेताओं की प्रतिक्रिया का डर

ब्रिटिश शासन को डर था कि सत्ता के हस्तांतरण से पहले अगर विवादास्पद क्षेत्रीय निर्णयों को सार्वजनिक किया जाता, तो राजनीतिक दलों और नेताओं की ओर से बेहद तीखी प्रतिक्रिया आ सकती थी। इस स्थिति में सुरक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था संभालना उनके नियंत्रण से बाहर हो जाता और हालात बिगड़ जाते।

तीसरा तर्क- धार्मिक स्तर पर विवादित और जटिल दावे

सीमा निर्धारण की यह पूरी प्रक्रिया बेहद कड़वाहट से भरी और जटिल थी। कांग्रेस, मुस्लिम लीग और सिख प्रतिनिधियों के दावे आपस में बुरी तरह टकरा रहे थे। सीमाओं का निर्धारण करते समय सिर्फ धार्मिक बहुसंख्या ही नहीं, बल्कि रेलवे, सिंचाई नहरों, सड़कों और बुनियादी ढांचे को भी ध्यान में रखना था, जो विभाजन से पहले पूरे प्रांत के लिए एक समान मदद करते थे। ऐसे में यह ध्यान रखना भी जरूरी था कि बुनियादी ढांचों और संसाधनों का भी सही बंटवारा हो।

वास्तव में साइरिल रेडक्लिफ ने यह सीमा रिपोर्ट 12 अगस्त 1947 को ही तैयार कर ली थी। लेकिन इसे दबाकर रखा गया और 16 अगस्त की शाम को नई दिल्ली के गवर्नमेंट हाउस में आयोजित एक बैठक में जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल और लियाकत अली खान जैसे दोनों

कौन से अहम क्षेत्र
बंटवारे से
सबसे ज्यादा
प्रभावित?

- लाहौर
- नादिया और मालदा
- गुरदासपुर
- फिरोजपुर
- जम्मू-कश्मीर

देशों के वरिष्ठ नेताओं को पहली बार ये सीमाएं दिखाई गईं। इसके अगले दिन, यानी 17 अगस्त 1947 को इसे औपचारिक रूप से भारत के राजपत्र (गजट) में प्रकाशित किया गया।

इस जबरदस्त गोपनीयता का असर यह हुआ कि करोड़ों लोग 15 अगस्त को यह जाने बिना ही आजादी का जश्न मना रहे थे कि वे भौगोलिक रूप से भारत में हैं या पाकिस्तान में। जब सीमाएं घोषित हुईं, तो नदिया, मालदा और गुरदासपुर जैसे क्षेत्रों में अचानक पैदा हुए भ्रम और उथल-पुथल ने इतिहास के सबसे भीषण विस्थापन और हिंसा को जन्म दिया।

किन राज्यों और जिलों को इसका सबसे ज्यादा असर झेलना पड़ा?

भारत-पाकिस्तान की सीमा के एलान में हुई इस देरी का सबसे बुरा असर तत्कालीन-पंजाब और बंगाल प्रांत पर पड़ा। दरअसल, ब्रिटिश शासन ने भारत को कमजोर करने के लिए दो तरफ से तोड़ा था। एक- पश्चिम में पंजाब-कश्मीर की तरफ, दूसरा- पूर्व में बंगाल की तरफ। ऐसे में इन प्रांतों के कुछ खास क्षेत्रों और जिलों को इस अनिश्चितता की सबसे बड़ी और दर्दनाक कीमत चुकानी पड़ी।

1. ਪੰਜਾਬ ਕੇਂਦਰ

गुरदासपुर: पंजाब का यह जिला सीमा तय न होने के असमंजस और रणनीतिक फैसलों का सबसे बड़ा उदाहरण बना। रेडक्लिफ के अंतिम फैसले में गुरदासपुर के अधिकांश हिस्से- पठानकोट, गुरदासपुर और बटाला को भारत को सौंप दिया गया, जबकि शकरगढ़ उपखंड पाकिस्तान के हिस्से में गया। इस फैसले का ऐतिहासिक और रणनीतिक असर हुआ, क्योंकि गुरदासपुर के भारत में शामिल होने से ही भारत को जम्मू और कश्मीर तक पहुंचने का सीधा जमीनी मार्ग मिल सका।

लाहौर: रेडक्लिफ के मुताबिक, वे शुरू में लाहौर को भारत को ही सौंपने वाले थे, क्योंकि वहां हिंदू और सिख समुदाय बहुमत में थे और यह शहर संपत्तियों व बुनियादी ढांचे के मामले में बेहद समृद्ध था। लेकिन ने रेडक्लिफ ने महसूस किया कि बंगाल का समृद्ध कलकत्ता शहर पहले ही भारत को दे दिया जा चुका है और अगर लाहौर भी भारत को दे दिया गया, तो पाकिस्तान के पास कोरियाई भी बड़ा विकसित शहर नहीं बचेगा। इस एक फैसले ने लाहौर के लाखों हिंदुओं और सिखों को पूरी तरह तबाह कर दिया, जिन्हें अचानक भड़की भीषण हिंसा के बीच अपनी पूरी जिंदगी पीछे छोड़कर भारत भागना पड़ा।

फिरोजपुर: पंजाब का यह क्षेत्र भी सीमा विवाद और राजनीतिक हस्तक्षेप के आरोपों का केंद्र रहा। ऐतिहासिक दस्तावेजों के मुताबिक, लॉर्ड माउंटबेटन ने फिरोजपुर के सीमा निर्धारण में दखल दिया था, जिससे इसकी अस्थायी रूप से तय की गई सीमा को बाद में बदल दिया गया।

2. बंगाल क्षेत्र

नदिया और मालदा: बंगाल में सीमा तय न होने की वजह से पैदा हुए गहरे भ्रम और उथल-पुथल के सबसे बड़े प्रतीक ये दो जिले बने। दरअसल, 15 अगस्त को

एक बना दिया।

पांच महीने में तय कर दिया दो देशों का बंटवारा

रेडक्लिफ पेशे से एक ब्रिटिश वकील (बैरिस्टर) थे, जो 8 जुलाई 1947 को अपने जीवन में पहली बार भारत आए थे। उन्हें इस उपमहाद्वीप, इसके जटिल भूगोल, जनसांख्यिकी और स्थानीय समुदायों के बारे में कोई व्यावहारिक अनुभव या जानकारी नहीं थी। ऐसे व्यक्ति को बिना किसी सर्वेक्षण दल के करोड़ों लोगों के भाग्य और देश की सीमाओं को तय करने की असीमित शक्ति सौंप दी गई। उन्हें पंजाब और बंगाल जैसे दो विशाल, बेहद संवेदनशील और घनी आबादी वाले प्रांतों को विभाजित करने के लिए महज 35 दिन का समय दिया गया था। इतने कम समय में किसी क्षेत्र का प्रत्यक्ष दौरा करना या जमीनी स्तर पर जाकर भौगोलिक बारीकियों को समझना पूरी तरह असंभव था। बाद में खुद रेडक्लिफ ने स्वीकार किया कि समय इतना कम था कि वे इससे बेहतर काम नहीं कर सकते थे।

पुराने नक्शों और गलत आंकड़ों का इस्तेमाल किया

जमीन पर जाकर सीमाओं का भौतिक सर्वेक्षण करने का कोई विकल्प नहीं था। रेडक्लिफ ने सीमाएं तय करने के लिए पुराने नक्शों और गलत-पुराने जनगणना आंकड़ों का सहारा लिया। यहां तक कि बंगाल सीमा आयोग की सार्वजनिक बैठकों में वे खुद व्यक्तिगत रूप से मौजूद भी नहीं रहे; उन्होंने केवल कागजात देखकर ही निर्णय ले लिया।

लाहौर जैसे शहरों पर मनमाने और लापरवाही भरे फैसले

रेडक्लिफ ने कई अहम क्षेत्रों पर फैसले बिना किसी ठोस आधार के, केवल संतुलन बनाने के लिए किए। इनमें लाहौर एक बड़ा उदाहरण रहा, जहां हिंदुओं-सिखों की आबादी के साथ उनकी संपत्ति भी ज्यादा

अगर कुछ लोगों की आकांक्षाएं पूरी नहीं हुईं, तो इसका दोष उन राजनीतिक व्यवस्थाओं में ढूंढा जाना चाहिए जिनसे मेरा कोई सरोकार नहीं था

साइरिल रेडक्लिफ

विभाजन के बाद असंतोष-त्रासदी पर

A group of soldiers in camouflage uniforms are standing in a field. One soldier in the foreground is operating a machine gun mounted on a tripod. Other soldiers are standing around him, some looking on. The scene is outdoors in a grassy field.

थी। इसके बावजूद यह हिस्सा पाकिस्तान को सौंप दिया गया। यह फैसला इस आधार पर लिया गया कि समृद्ध कलकत्ता शहर तो वे पहले ही भारत को दे चुके हैं और यदि लाहौर भी भारत को दे दिया गया, तो पाकिस्तान के पास कोई भी बड़ा विकसित शहर नहीं बचेगा। केवल इस राजनीतिक संतुलन को बनाए रखने के लिए उन्होंने लाहौर पाकिस्तान को सौंप दिया, जिसके कारण वहां के लाखों हिंदुओं और सिखों को अचानक कत्लेआम और विस्थापन का सामना करना पड़ा।

जटिल बुनियादी ढांचे की पूरी अनदेखी

विभाजन से पहले पंजाब और बंगाल के सिंचाई नहर तंत्र, रेलवे नेटवर्क, सड़कें और बिजली प्रणाली एकीकृत रूप से काम करती थीं। रेडक्लिफ की खींची गई लकीर ने इन प्रणालियों को बीच से काट दिया। इसके कारण कई गांव अपने आर्थिक केंद्रों से कट गए, नदियां एक देश में थीं तो उनकी सिंचाई नहीं दूसरे देश में चली गई, और लोग रातों-रात अपने ही घरों में विदेशी बन गए।

अपने निजी दस्तावेज जलाकर इतिहास का सबसे बड़ा रहस्य पैदा किया

अपनी इस बेहद विवादास्पद सीमा रिपोर्ट (रेडक्लिफ लाइन) को पूरा करने के बाद रेडक्लिफ ने 16 अगस्त 1947 को भारत छोड़ने से पहले अपने निजी विचार-विमर्श और बैठकों से जुड़े अधिकांश दस्तावेजों को जलाकर नष्ट कर दिया। इस वजह से यह हमेशा के लिए एक रहस्य बन गया कि उन्होंने वास्तव में किस दबाव या सोच के तहत ये सीमाएं तय कीं। उनके निजी सचिव क्लिस्टोफर ब्यूमोंट ने बाद में कई आरोप लगाए। हालांकि, दस्तावेजों के नष्ट होने की वजह से राजनीतिक साजिशों की सच्चाई कभी खुलकर सामने नहीं आ पाई।

भारत पाकिस्तान सीमा लंबाई

राज्य	कुल लंबाई
जम्मू और कश्मीर	1,222
राजस्थान	1,170
गुजरात	506
पंजाब	425

लंबाई (किलोमीटर में)

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अंतर्गत नागरिकों को स्वच्छता के लिए किया जा रहा जागरूक

कोबरा डॉट कोम | न्यूज़

देवास। जिले की नगरीय निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नागरिकों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसके तहत नगरीय निकायों द्वारा नगरवासियों से “अपनाएं चार डस्टबिन, स्वच्छ और आदर्श नगर” का संदेश देते हुए कचरे के उचित प्रबंधन एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की अपील की जा रही है।

नगरीय निकायों द्वारा नागरिकों को समझाइश दी जा रही है कि गीला, सूखा, हानिकारक एवं अन्य कचरे को निर्धारित डस्टबिन में ही डालें तथा कचरे को अलग-अलग करके कचरा संग्रहण वाहन में दें। पुराने कपड़ों सहित अन्य अपशिष्ट को भी निर्धारित डस्टबिन में ही डालने तथा कचरा प्रबंधन के नियमों का पालन करने के लिए नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। नागरिकों से पॉलिथीन का उपयोग नहीं करने, कचरा खुले में नहीं फेंकने



तथा हमेशा डस्टबिन का उपयोग करने की अपील की गई है। साथ ही अपने घरों एवं आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने और कचरे का स्रोत स्तर पर ही पृथकीकरण करने के लिए भी समझाइश दी जा रही है। नगरीय निकायों द्वारा नागरिकों से अपील की

गई है कि वे स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं और कचरे के उचित पृथकीकरण एवं निस्तारण में सहयोग करें। स्वच्छता में नागरिकों की भागीदारी से ही स्वच्छ, सुंदर एवं आदर्श नगर का निर्माण संभव है।

पेवर ब्लॉक निर्माण फैक्ट्री का लेबर रजिस्ट्रेशन नहीं होने पर फैक्ट्री को सील करने के निर्देश

कलेक्टर सिंह ने उचित मूल्य दुकान पर राशन की बोरियों का करवाया वजन, गुणवत्ता भी परखी

कोबरा डॉट कोम | न्यूज़

देवास। कलेक्टर श्री ऋतु राज सिंह ने “मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान” के तहत बागली विकासखंड के स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र और उचित मूल्य दुकान का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने धानीघाटी में एक ओवरलोड मुरम से भरे डंपर को रोककर उसकी रॉयल्टी चेक की। रायल्टी नहीं होने पर मौके पर ही खनिज अधिकारी को डंपर जब्त करने, चालान काटने और नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान पास में ही स्थित संचालित पेवर ब्लॉक निर्माण फैक्ट्री झांझा इंटरप्राइजेस का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान फैक्ट्री का लेबर रजिस्ट्रेशन नहीं पाया गया, जो कि नियमों का स्पष्ट उल्लंघन था। लेबरों द्वारा बच्चों को खतरनाक मशीनों के पास सुलाए जाने का मामला सामने आने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी जताई और लेबरों को समझाइश

दी कि बच्चों को ऐसी जगहों पर न सुलाएं, बल्कि उन्हें स्कूल और आंगनवाड़ी भेजें। श्रम नियमों के उल्लंघन और आसपास अतिक्रमण पाए जाने पर उन्होंने एसडीएम को तुरंत फैक्ट्री सील करने तथा आसपास का अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री ऋतु राज सिंह ने धानीघाटी में आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से चर्चा कर मिलने वाले खाने और नाश्ते की जानकारी ली। पोषण ट्रेकर ऐप पर बच्चों की उपस्थिति का अवलोकन करने के बाद उन्होंने कड़े निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी केंद्र समय पर खोले जाएं और बच्चों को निर्धारित समयानुसार भोजन व नाश्ता उपलब्ध कराया जाए।

कलेक्टर श्री सिंह ने शासकीय विमुक्त जाति बालक आश्रम धानीघाटी का निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षाओं और किचन की व्यवस्थाओं को देखा तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आश्रम के बच्चों से संवाद कर वहां की सुविधाओं की जानकारी ली और संपूर्ण परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम नेवरी में शासकीय उचित मूल्य दुकान तथा बहुउद्देशीय

प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी मर्यादित का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने उचित मूल्य दुकान पर उपस्थित उपभोक्ताओं और स्थानीय नागरिकों से सीधे संवाद कर दुकान की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कलेक्टर श्री सिंह ने उपभोक्ताओं से राशन के बदले किसी भी प्रकार की अतिरिक्त राशि या अवैध वसूली के संबंध में पूछताछ की गई, जिस पर नागरिकों ने संतोष व्यक्त करते हुए बताया कि उन्हें गेहूं, चावल और नमक नियमानुसार निःशुल्क मिल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि राशन दुकान निर्धारित समयानुसार नियमित रूप से खुलती है और सभी पात्रता पर्ची धारकों को समय पर राशन मिल रहा है।

कलेक्टर श्री सिंह ने उचित मूल्य दुकान के स्टॉक रजिस्टर की जांच की और उपलब्ध गेहूं व चावल के स्टॉक का मिलान किया। राशन की गुणवत्ता की जांच करने के साथ ही, पारदर्शिता के लिए मौके पर राशन की बोरियों का वजन करवाया गया, जो पूरी तरह मानक के अनुरूप और बराबर पाया गया। दुकान में नमक का स्टॉक अधिक जमा होने पर अधिकारी ने संबंधित विक्रेता और खाद्य विभाग के कर्मचारियों से जवाब-तलब किया।

बरोठा में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया, शहीद जागेश्वर धाकड़ की प्रतिमा पर हुआ ध्वजारोहण

कोबरा डॉट कोम | न्यूज़

बरोठा। नगर में शुक्रवार को 80वां स्वतंत्रता दिवस पूरे देशभक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह प्रभात फेरी से हुई, जिसका समापन गद्दी चौक स्थित शहीद श्री जागेश्वर धाकड़ की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं ध्वजारोहण के साथ हुआ।

बच्चों ने निकाली प्रभात फेरी, गूंजे देशभक्ति के नारे

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सुबह-सुबह नगर की गलियों में देशभक्ति के नारों से गूंज उठी। हायर सेकेंडरी स्कूल, कन्या हाय स्कूल, मिडिल स्कूल सहित नगर के विभिन्न निजी स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर प्रभात फेरी निकाली। प्रभात फेरी के दौरान गढ़ दरवाजा पर सामाजिक संस्था “संकल्प” के कार्यकर्ताओं ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए सभी को लड्डू वितरित किए। संस्था के सदस्यों ने बच्चों को देशभक्ति और अनुशासन का संदेश भी दिया।

गद्दी चौक पर हुआ मुख्य कार्यक्रम

नगर भ्रमण करती हुई प्रभात फेरी गद्दी चौक पहुंची, जहां ग्राम पंचायत द्वारा मुख्य कार्यक्रम



आयोजित किया गया। यहां ग्राम पंचायत के पदाधिकारियों एवं स्कूली बच्चों की उपस्थिति में शहीद श्री जागेश्वर धाकड़ की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके पश्चात विधिवत रूप से ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान गाया गया। इस दौरान पूरे वातावरण में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला।

सरपंच रोहित नागर ने गिनाए विकास कार्य

ध्वजारोहण के बाद ग्राम पंचायत सरपंच श्री रोहित नागर ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने ग्राम पंचायत द्वारा विगत वर्ष में कराए गए विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही गांव में पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे आगामी कार्यों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

विभिन्न संस्थानों में भी फहराया तिरंगा

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर नगर के अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर भी ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें बरोठा स्थित कृषि उपज मंडी, टप्पा तहसील कार्यालय, उन्नत सहकारी संस्था, शहीद जागेश्वर धाकड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हायर सेकेंडरी स्कूल, हाई स्कूल एवं मिडिल स्कूल प्रमुख रूप से शामिल रहे। सभी जगह अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने मिलकर तिरंगे को सलामी दी। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सदस्य, शिक्षकगण, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। पूरे दिन नगर में देशभक्ति गीतों की धुनें गूंजती रहीं।

तिरंगा यात्रा के दौरान मधुमक्खियों का हमला, एक दर्जन लोग घायल



डीजे वाहन के पेड़ से टकराने और तेज आवाज के बाद भड़की मधुमक्खियां, चार घायलों को जिला अस्पताल लाया गया

कोबरा डॉट कोम | न्यूज़

देवास। विजयागंज मंडी क्षेत्र में शुक्रवार को तिरंगा यात्रा के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक मधुमक्खियों ने यात्रा में शामिल लोगों पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि तिरंगा यात्रा में शामिल एक डीजे वाहन एक पेड़ से टकरा गया। पेड़ पर मधुमक्खियों का छत्ता मौजूद था। वाहन के टकराने और डीजे की तेज आवाज के बाद मधुमक्खियां भड़क गईं और उन्होंने आसपास मौजूद लोगों पर हमला कर दिया। अचानक हुए मधुमक्खियों के हमले से तिरंगा यात्रा में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मधुमक्खियों से बचने के लिए लोग इधर-उधर भागते नजर आए। हमले में

करीब एक दर्जन लोग मधुमक्खियों के डंक से घायल हुए हैं। घायलों में से चार लोगों को उपचार के लिए देवास जिला अस्पताल लाया गया, जबकि अन्य घायलों का विजयागंज मंडी क्षेत्र के आसपास के अस्पतालों में उपचार कराया गया। मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों की मदद की और उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलने के बाद देवास विधायक गायत्री राजे पवार के निर्देश पर देवास नगर निगम सभापति रवि जैन, एमआईसी सदस्य गणेश पटेल नवीन सोलंकी, , चिट्ठू रघुवंशी दुर्गेश अग्रवाल विजय सिंह पवार सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों से मुलाकात कर उनका हाल जाना और अस्पताल प्रबंधन से घायलों को उचित उपचार उपलब्ध कराने की बात कही। मधुमक्खियों के अचानक हुए हमले के कारण तिरंगा यात्रा कुछ देर के लिए प्रभावित हुई, हालांकि स्थिति को जल्द ही संभाल लिया गया।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा जांच कार्रवाई कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए

कोबरा डॉट कोम | न्यूज़

देवास। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा अमानक एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम अंतर्गत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा जिले में निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण की कार्रवाई की गई। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री सुरेन्द्र ठाकुर द्वारा ईश्वर एजेंसीज देवास से घी का नमूना लेकर 64.5 लीटर घी जप्त किया गया।

इसी प्रकार भदोरिया एजेंसी देवास से घी का नमूना लेकर 42.5 लीटर घी तथा न्यू स्वदेशी स्वीट्स देवास से मावा का नमूना लेकर 48 किलोग्राम मावा जप्त किया गया। इसके अलावा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा जयदेव ट्रेडर्स कन्नौद से घी, श्री महाकाल किराना, चापड़ा से मस्टर्ड ऑयल एवं सांची घी, न्यू श्री कृष्णा रेस्टोरेंट, चापड़ा से राजश्री सोहन पपड़ी, श्री अग्रसेन ट्रेडर्स, कन्नौद से अरिहंत घी तथा ओम साईं कृपा दूध डेयरी, खातेगांव से मावा के नमूने लिए गए। सभी खाद्य नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा गया है।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अन्तर्गत उपायुक्तों ने किया वार्डों का भ्रमण



कोबरा डॉट कोम | न्यूज़

देवास। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत शुक्रवार 14 अगस्त को अभियान के अन्तर्गत निगमायुक्त दलीप कुमार के निर्देशन में निगम उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया, आरती खेडेकर, दिपक पटेल, जाकिर जाफरी के द्वारा अपने अपने ज़ोन क्षेत्रों में भ्रमण कर निगम संबंधि समस्याओं पर नागरिकों से जन संवाद किया तथा सीएम हेल्प लाइन का निराकरण भी किया।

उपायुक्त श्रीमती पिपलोनिया के द्वारा वार्डों में भ्रमण कर कैलादेवी चौराहे पर नाला निर्माण के साथ आनंद ऋषि टंकी पर निरीक्षण कर पानी की गुणवत्ता भी चेक की तथा वार्ड में सीएम हेल्प लाइन

में प्राप्त शिकायतों का निराकरण भी करवाया। उपायुक्त श्रीमती खेडेकर के द्वारा अपने ज़ोन क्षेत्र के साथ निगम द्वारा नव निर्मित एबीसी सेन्टर का निरीक्षण कर सिंबा एवं गोपाल एनिमल वेलफेयर सोसायटी एनजीओ द्वारा संचालित डाक सेन्टर होम का भी विजिट कर श्वानों के रखरखाव एवं नसबंदी व टीकाकरण की जानकारी ली। उपायुक्त श्री पटेल के द्वारा अपने ज़ोन क्षेत्र में भ्रमण कर संपत्तिकर के खातों के सुधार हेतु प्राप्त शिकायतों का निराकरण किया। उपायुक्त श्री जाफरी के द्वारा प्रधानमंत्री स्व निधि और संबल योजना के हितग्राहियों से सम्पर्क कर सी.एम.हेल्प लाइन का समाधान किया और योजना का लाभ लेने के लिए समझाइश भी दी।

Bihar: सावन की सोमवारी पर गंगा नदी में बड़ा हादसा, सात बच्चियां डूबने लगीं, तीन बचीं; चार अब भी लापता

कोबरा डॉट कोम | न्यूज

नईदिल्ली। बिहार के बाढ़ अनुमंडल के बख्तियारपुर थाना क्षेत्र में सावन की सोमवारी पर बड़ा हादसा हो गया। रानीसराय गांव के पास सोमवार सुबह गंगा नदी में स्नान करने गई सात बच्चियां अचानक गहरे पानी में डूबने लगीं। स्थानीय लोगों ने किसी तरह तीन बच्चियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि चार बच्चियां अब भी लापता हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर लापता बच्चियों की तलाश में जुटी है। एसडीआरएफ की टीम के भी मौके पर पहुंचने की सूचना है।

गंगा स्नान के दौरान एक-एक कर डूबने लगीं बच्चियां

जानकारी के अनुसार, घटना सोमवार सुबह करीब पांच बजे की है। सावन की सोमवारी



को लेकर रानीसराय गांव की सात बच्चियां एक साथ गंगा स्नान करने गई थीं। स्नान के दौरान एक बच्ची अचानक गहरे पानी में जाने के कारण डूबने लगी। उसे बचाने के प्रयास में बाकी बच्चियां भी पानी में आगे बढ़ गईं और देखते ही देखते एक-एक कर सभी डूबने

लगीं। बच्चियों को डूबता देख मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत नदी में उतरकर बचाव अभियान शुरू किया। लोगों ने तीन बच्चियों को किसी तरह बाहर निकाल लिया, लेकिन चार बच्चियां गहरे पानी में लापता हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही बख्तियारपुर थाने की पुलिस

मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू कराया। चार बच्चियों की तलाश जारी

लापता बच्चियों की पहचान रानीसराय निवासी राधिका कुमारी (16), पिता- कमलेश चंद्रवंशी, आरती कुमारी (14), नंदनी कुमारी (17), दोनों पिता- अवधेश चंद्रवंशी और बबली कुमारी, पिता- मंटू चंद्रवंशी के रूप में हुई है। फिलहाल स्थानीय गोताखोरों की मदद से नदी में लापता बच्चियों की तलाश की जा रही है। पुलिस और प्रशासन की टीम भी मौके पर मौजूद है। एसडीआरएफ की टीम को भी खोज एवं बचाव अभियान के लिए बुलाया गया है।

अवैध खनन से बने गड्ढे में डूबने का स्थानीय लोगों का दावा

स्थानीय लोगों का कहना है कि गंगा नदी में कथित अवैध खनन के कारण नदी के किनारे और पानी के भीतर गहरे गड्ढे बन गए हैं। उनका

दावा है कि स्नान के दौरान बच्चियां इसी तरह के गहरे हिस्से में चली गईं और डूबने लगीं। हालांकि, हादसे के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

थानाध्यक्ष बोले- एक बच्ची को बचाने के दौरान सभी डूबने लगीं

बख्तियारपुर थानाध्यक्ष देवानंद शर्मा ने बताया कि सभी बच्चियां सोमवार सुबह गंगा नदी में स्नान करने पहुंची थीं। स्नान के दौरान एक बच्ची अचानक डूबने लगी। उसे बचाने के प्रयास में अन्य बच्चियां भी पानी में आगे बढ़ गईं और एक-एक कर डूबने लगीं। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों ने बच्चियों को डूबता देखकर तत्काल बचाव अभियान शुरू किया और तीन बच्चियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। चार बच्चियां अभी लापता हैं। स्थानीय गोताखोरों की टीम उनकी तलाश में जुटी है और एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच रही है।

दिल्ली में दर्दनाक हादसा : चार्जिंग के दौरान ई-रिक्शा की बैटरी फटी, इमारत में लगी आग, दो लोगों की हुई मौत

कोबरा डॉट कोम | न्यूज

नईदिल्ली। रघुबीर नगर इलाके में सोमवार सुबह एक इमारत की पहली मंजिल पर चार्जिंग के दौरान ई-रिक्शा की बैटरी फटने से आग लग गई। हादसे में दो लोग झुलस गए। दोनों को उपचार के लिए रघुबीर नगर स्थित गुरु गोविंद सिंह अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इनकी पहचान 17 साल के सुफैद और 38 साल के मोहम्मद सामिद के रूप में हुई है। दमकल विभाग के मुताबिक सोमवार तड़के करीब 4.42

बजे दमकल विभाग को रघुवीर नगर के आर ब्लॉक में स्थित एक मकान में आग लगने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि जिस इमारत में आग लगी वह चार मंजिला है। इमारत की पहली मंजिल पर ई-रिक्शा की बैटरी फटने के बाद घरेलू सामान में आग लगी थी। आग की चपेट में आने से दो लोग झुलस गए। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। दमकल कर्मियों ने 5.25 बजे आग पर काबू पा लिया। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।



पश्चिम बंगाल: बीरभूम में होटल में लगी भीषण आग, सात लोगों की मौत; कैसे हुआ हादसा?

नईदिल्ली। सावन के सोमवार के दिन बिहार के लखीसराय के अशोकधाम मंदिर में भगदड़ जैसी स्थिति के बाद बंगाल से भी हादसे की दर्दनाक खबर सामने आई है। बीरभूम के तारापीठ में एक होटल में लगी भीषण आग लग गई। जिसके कारण सात लोगों की मौत हो गई। कई लोगों के झुलसने की भी खबर है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आग सुबह करीब 5 बजे तारापीठ के मंदिर वाले इलाके में स्थित चार मंजिला होटल की पहली मंजिल पर लगी। उस समय होटल में ज्यादातर लोग सो रहे थे। आग की जानकारी मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया। घायलों को रामपुरहाट सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के सूत्रों ने शुरुआत में बताया था कि आग में पांच लोगों की मौत हुई है। हालांकि, बाद में पुलिस ने मृतकों की संख्या बढ़ाकर सात कर दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, अब मृतकों की संख्या सात हो गई है।

अशोक धाम में भगदड़ कैसे मची? बिजली के खंभे से करंट की बात कितनी सही या फिर फैल गई थी अफवाह

कोबरा डॉट कोम | न्यूज

नईदिल्ली। बिहार के लखीसराय स्थित प्रसिद्ध श्री इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर, अशोकधाम के पास सोमवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। अशोकधाम हॉल्ट पर एक साथ दोनों दिशाओं से ट्रेनों के पहुंचने के बाद अचानक अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान कुछ श्रद्धालुओं के भागने से रास्ते में लगी बांस की बैरिकेडिंग टूट गई और बिजली का एक पोल भी गिर गया। पोल गिरने के बाद करंट फैलने की अफवाह तेजी से फैल गई, जिसके बाद श्रद्धालुओं में दहशत पैदा हो गई। भगदड़ में कई महिलाएं भीड़ के दबाव में दब गईं। हादसे में सात महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि श्रद्धालुओं की मौत करंट लगने से नहीं हुई, बल्कि भगदड़ के दौरान भीड़ में दबने से हुई है। डीएम शैलेंद्र कुमार और एडीएम नीरज कुमार ने बताया कि हादसे के समय बिजली आपूर्ति बंद थी और बिजली के तार भी कवर किए गए थे।

पहले ट्रेन आई, फिर गिरा पोल और फैल गई करंट की अफवाह

प्रशासन के अनुसार, सोमवार सुबह अशोकधाम हॉल्ट पर एक ही समय में दोनों दिशाओं से ट्रेनें पहुंचीं। ट्रेनों को देखकर कुछ युवकों ने अचानक दौड़ना शुरू कर दिया। इसी दौरान रास्ते में लगी बांस की बैरिकेडिंग टूट गई और बिजली का एक पोल



भी गिर गया। पोल गिरते ही श्रद्धालुओं के बीच यह अफवाह फैल गई कि बिजली का करंट फैल गया है। देखते ही देखते अफवाह तेजी से फैल गई और लोगों में दहशत पैदा हो गई। प्रशासन का कहना है कि घटना के समय बिजली आपूर्ति बंद थी और तार कवर किया हुआ था। इसके बावजूद श्रद्धालु सुरक्षित निकलने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इसी दौरान भीड़ का दबाव बढ़ा और भगदड़ की स्थिति पैदा हो गई।

करंट से मौत की सूचना निकली गलत

हादसे के तुरंत बाद यह सूचना सामने आई कि 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार की चपेट में आने से श्रद्धालुओं की मौत हुई है। इससे मौके पर मौजूद लोगों में और अधिक भय फैल गया। हालांकि, बाद में

जिला प्रशासन ने प्रेस वार्ता कर मौतों की वजह स्पष्ट की। डीएम शैलेंद्र कुमार और एडीएम नीरज कुमार ने बताया कि किसी भी श्रद्धालु की मौत करंट लगने से नहीं हुई है। प्रशासन के अनुसार, भगदड़ के दौरान भीड़ में दबने से सात महिला श्रद्धालुओं की मौत हुई है।

एक-दूसरे के ऊपर गिरते चले गए श्रद्धालु

अचानक भगदड़ मचने के कारण श्रद्धालुओं को संभलने का मौका नहीं मिला। लोग बचने के लिए इधर-उधर भागने लगे। भीड़ का दबाव बढ़ने से कई लोग जमीन पर गिर गए और उनके ऊपर दूसरे श्रद्धालु गिरते चले गए। इसी दौरान कई महिलाएं भीड़ के बीच बुरी तरह दब गईं। हादसे में सात महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई। घटना

की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

सात मृतकों में चार की पहचान

हादसे में जान गंवाने वाली सात महिला श्रद्धालुओं में से चार की पहचान हो चुकी है। मृतकों में हलसी की हेमलता देवी (55), ललिता देवी, मुंगेर की रिकू देवी (50) और बड़हिया की मनमाला देवी (44) शामिल हैं। अन्य चार मृत महिलाओं की पहचान की प्रक्रिया जारी है। प्रशासन की ओर से मृतकों की पहचान कर उनके परिजनों से संपर्क करने की कार्रवाई की जा रही है।

हादसे की उच्चस्तरीय जांच के आदेश

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। जांच में एक साथ दोनों दिशाओं से ट्रेनों के आने, बिजली का पोल गिरने, करंट की अफवाह फैलने और इसके बाद हुई भगदड़ समेत पूरे घटनाक्रम की पड़ताल की जाएगी। इसके अलावा भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था, मौके पर सुरक्षा बलों की तैनाती और घटना के समय प्रशासन की ओर से किए गए इंतजामों की भी जांच की जाएगी। जांच के बाद हादसे की पूरी परिस्थितियां और संभावित चूक सामने आने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जताया दुख

अशोकधाम हादसे पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए गहरा दुख जताया। उन्होंने घटना को अत्यंत दुखद और हृदयविदारक बताया। श्रद्धालुओं की मौत की खबर पर उन्होंने शोक-संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने घायलों के समुचित और त्वरित इलाज के लिए प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए जाने की बात कही। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

कुछ ही मिनट में मातम में बदला माहौल

अशोकधाम में सोमवार सुबह बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ मौजूद थी। इसी दौरान दोनों दिशाओं से ट्रेनों के आने, कुछ युवकों के भागने, बिजली का पोल गिरने और उसके बाद करंट की अफवाह फैलने से अचानक माहौल बदल गया। कुछ ही मिनटों में श्रद्धालुओं की आवाजाही से गुलजार परिसर चीख-पुकार से गूंज उठा। भगदड़ में कई लोग घायल हुए और सात महिला श्रद्धालुओं की जान चली गई। हादसे के बाद अब सभी की नजर प्रशासन की उच्चस्तरीय जांच पर है। जांच से यह स्पष्ट होगा कि घटना की पूरी परिस्थितियां क्या थीं और भीड़ नियंत्रण के दौरान कहां चूक हुई।

रीवा में 88 घंटे भूखा रहा युवक, आधी रात धरना स्थल पहुंच कलेक्टर, उचित मुआवजे के आश्वासन पर दूटा गतिरोध



कोबरा डॉट कॉम । न्यूज़

रीवा। जिले के गुढ़ अंतर्गत ग्राम बेला में अपनी जमीन से गुजर रही हाईटेशन टावर लाइन के उचित मुआवजे की मांग को लेकर पिछले करीब 88 घंटे से अनशन पर बैठे युवक देशराज मिश्रा ने अपना धरना समाप्त कर दिया है। देर रात रीवा कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने खुद धरना स्थल पर पहुंचकर पीड़ित युवक से बातचीत की और उसकी समस्याओं को सुना। कलेक्टर द्वारा नियमानुसार उचित मुआवजा दिलाने का ठोस आश्वासन मिलने के बाद युवक ने अनशन तोड़ा। इसके तुरंत बाद प्रशासन ने उसे मेडिकल जांच के लिए अस्पताल पहुंचाया।

रात 11 बजे धरना स्थल पर पहुंचे आला अधिकारी

युवक देशराज मिश्रा अपनी कृषि भूमि से हाईटेशन तारों और टावर के गुजरने पर सही मुआवजा न मिलने के विरोध में पिछले कई दिनों से धरने पर डटे हुए थे। अनशन के लंबा खिंचने और मामले की गंभीरता को देखते हुए रात करीब

11 बजे रीवा कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी स्वयं धरना स्थल पर पहुंच गए। इस दौरान उनके साथ गुढ़ एसडीएम सुधाकर सिंह, तहसीलदार अरुण यादव और थाना प्रभारी पुष्पेंद्र यादव भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर युवक को पीड़ा को समझा और उससे सीधा संवाद किया।

समझाइश और ठोस आश्वासन के बाद खत्म हुआ गतिरोध

कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी ने अनशन पर बैठे देशराज की सभी मांगों को बेहद धैर्यपूर्वक सुना। उन्होंने युवक को आश्वासन दिया कि उसकी मुआवजे से जुड़ी सभी वाजिब और जायज मांगों का प्रशासनिक नियमों के तहत जल्द से जल्द निराकरण कराया जाएगा।

जिले के मुखिया से मिले इस सकारात्मक और ठोस आश्वासन के बाद देशराज ने अपना अनशन समाप्त करने की घोषणा कर दी, जिसके साथ ही पिछले तीन-चार दिनों से चल रहा गतिरोध भी खत्म हो गया।

पुलिस ने अस्पताल ले जाकर कराया मेडिकल परीक्षण

लगातार 80 घंटे से ज्यादा समय तक अनशन पर रहने के कारण युवक का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता था। इसलिए धरना समाप्त होते ही गुढ़ पुलिस देशराज मिश्रा को लेकर तुरंत निकटतम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची। यहां डॉक्टरों की विशेष टीम द्वारा उनका प्राथमिक उपचार और विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी भी अस्पताल में मौजूद रहे और युवक की सेहत की निगरानी की।

सामने आई प्रशासन की संवेदनशीलता

इस पूरे घटनाक्रम में जिला प्रशासन का एक बेहद मानवीय और संवेदनशील चेहरा देखने को मिला। आधी रात को कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार और पुलिस बल का धरना स्थल पर पहुंचना और एक आम नागरिक की समस्या को सुनकर उसका समाधान निकालना चर्चा का विषय बना हुआ है। अधिकारियों की इस त्वरित और सकारात्मक पहल के चलते ही यह अनशन शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त हो सका।

सिंगरौली में तिरंगा यात्रा के दौरान 12 छात्रों की तबीयत बिगड़ी



कोबरा डॉट कॉम । न्यूज़

सिंगरौली। चितरंगी में तिरंगा यात्रा के दौरान 12 छात्रों की तबीयत बिगड़ने का मामला सामने आया है। छात्रों का आरोप है कि करीब 6 किलोमीटर पैदल चलने के बाद तेज धूप में लगभग एक घंटे तक मंत्री राधा सिंह के इंतजार में

खड़ा रखा गया। छात्रों ने पानी और नाश्ते की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने का भी आरोप लगाया। तबीयत बिगड़ने के बाद सभी छात्रों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। मामले में छात्रों के आरोपों और कार्यक्रम में व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आना बाकी है।

मंडला में लोकायुक्त की कार्रवाई, रिश्वत लेते बाबू रंगेहाथ गिरफ्तार



कोबरा डॉट कॉम । न्यूज़

मंडला। मंडला जिले में लोकायुक्त जबलपुर की टीम ने कार्रवाई करते हुए BEO कार्यालय के एक बाबू को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथों पकड़ा। जानकारी के अनुसार, आरोपी बाबू ने एक चौकीदार के GPF खाते

से 1 लाख रुपये निकलवाने के बदले 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त टीम ने कार्रवाई की और आरोपी को रिश्वत की रकम लेते हुए पकड़ लिया। करीब 60 किलोमीटर दूर से पहुंची लोकायुक्त टीम की कार्रवाई से कार्यालय में हड़कंप मच गया।

दमोह में स्वतंत्रता दिवस पर हंगामा, पूर्व प्रिंसिपल ने बच्चों के सामने नए प्राचार्य को बताया 'घूसखोर', वीडियो वायरल

कोबरा डॉट कॉम । न्यूज़

दमोह। जिले के पटेरा शासकीय एक्सलेंस स्कूल में 15 अगस्त ध्वजारोहण कार्यक्रम के दौरान बच्चों को संबोधित करते हुए पूर्व प्राचार्य वंदना गुप्ता ने वर्तमान प्राचार्य कमलेश शर्मा को भ्रष्टाचारी कह दिया। बच्चे कुछ समझ ही नहीं पाए और उन्होंने तालियां बजा दी। जिस पर तत्काल अन्य शिक्षकों ने आपत्ति ली। जिसका वीडियो शनिवार रात सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। आपको बता दें पांच दिन पहले जिला शिक्षा अधिकारी ने पूर्व प्राचार्य वंदना गुप्ता की कार्य शैली को अनुशासनहीनता मानते हुए उन्हें प्राचार्य पद से हटाकर कमलेश शर्मा को प्रभारी प्रभारी बनाया था। इसी से गुसाई शिक्षिका ने भरी सभा के दौरान प्राचार्य पर इस प्रकार के आरोप लगा दिए। अब जिला शिक्षा अधिकारी ने कार्रवाई की बात कही है। क्योंकि प्राचार्य कमलेश शर्मा ने इस बात की शिकायत जिला शिक्षा अधिकारी, सागर संभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से भी की है।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

जो वीडियो वायरल हुआ है उसमें पूर्व प्राचार्य वंदना गुप्ता बच्चों को संबोधित करते हुए कह रही हैं कि अमर शहीदों ने अपनी आहुति देकर हमें यह आजादी दिलाई है। आज

के लोग जो भ्रष्टाचार कर रहे हैं वह देश को मिटाने पर तुले हुए हैं। दूसरी चीज मैं आप छात्रों से केवल यह कहना चाहती हूं कि आप लोग इतनी मन लगाकर पढ़ाई करें कि प्राचार्य कमलेश शर्मा जैसी भ्रष्टाचार करने की जरूरत ना पड़े जो अपने ही सीनियर को ओवरटेक करके पैसा देकर प्राचार्य बन गए। इसलिए आप लोग मन लगाकर पढ़ाई करना मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूं। इतना कहते ही बच्चों ने जोर से तालियां बजा दी क्योंकि वह कुछ समझ ही नहीं पाए। जैसे ही बच्चों ने तालियां बजाई तो वहां मौजूद अन्य शिक्षकों ने उन्हें रोका जिसके बाद बच्चों ने अपनी तालियां बंद कर दी। आरोपों से आहत प्राचार्य कमलेश शर्मा ने बताया कि शिक्षिका वंदना गुप्ता के द्वारा जिस प्रकार से बच्चों के सामने मेरे ऊपर इस प्रकार के आरोप लगाए हैं मैं बहुत आहत हूं। जिला शिक्षा अधिकारी सत्यम चौरसिया ने महिला को प्राचार्य पद से हटाया था। उनकी अनीयताओं की शिकायत जिला शिक्षा अधिकारी को प्राप्त हुई थी। जिसके बाद कार्रवाई की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जो आदेश जारी किया गया था उसमें बताया गया की अवकाश के दिन प्राचार्य वंदना गुप्ता द्वारा स्कूल की रद्दी बेचने की शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसका नोटिस उन्हें दिया गया, लेकिन जवाब संतोषजनक न होने पर उन्हें प्राचार्य पद से हटकर उच्च माध्यमिक शिक्षक कमलेश शर्मा को प्राचार्य का प्रभार दिया गया है।

छतरपुर में किताबों की उम्र में सड़क-पुल के लिए जंग, 18 घंटे बारिश में 40 किमी पैदल चले बच्चे; विधायक के आश्वासन पर खत्म हुआ आंदोलन

कोबरा डॉट कॉम । न्यूज़

छतरपुर। आजादी के पर्व पर छतरपुर के महाराजपुर क्षेत्र के टटम गांव के स्कूली बच्चों ने वह तस्वीर सामने रखी, जो ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की हकीकत पर सवाल खड़े करती है। सड़क, पुल और बिजली की मांग को लेकर बच्चे और ग्रामीण करीब 40 किलोमीटर पैदल चले। करीब 18 घंटे तक चला यह आंदोलन रात 1:30 बजे नौगांव सर्किट हाउस में विधायक कामाख्या प्रताप सिंह से बातचीत और तीन-चार दिन में टेंडर प्रक्रिया शुरू कराने के आश्वासन के बाद खत्म हुआ। रविवार तड़के करीब 2:30 बजे बच्चे और ग्रामीण गांव लौटे। ग्रामीणों की प्रमुख मांगों में मढ़ापुरवा से टटम तक सड़क, टपरन पुरवा से टटम तक पुल और टटम के बाईं नंबर 20 में बिजली सुविधा शामिल है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क और पुल नहीं होने से बारिश के दिनों में गांव का संपर्क बेहद मुश्किल हो जाता है। बच्चों को स्कूल जाने के लिए खराब रास्तों और नालों से होकर गुजरना पड़ता है।

तहसील से शुरू हुआ सफर, रात तक चलता रहा इंतजार

शनिवार शाम करीब सात बजे बच्चे और ग्रामीण महाराजपुर तहसील पहुंचे। अधिकारियों से चर्चा के बाद संतोषजनक आश्वासन नहीं मिलने पर उन्होंने छतरपुर की ओर पैदल बढ़ना शुरू कर दिया। महाराजपुर थाना क्षेत्र की सीमा के पास उन्हें विधायक के मिलने की सूचना मिली। प्रदर्शनकारी एक पेट्रोल पंप पर रुक गए। विधायक के तत्काल नहीं पहुंचने पर



कुछ ग्रामीणों और बच्चों ने उनके खिलाफ नारे भी लगाए। तेज बारिश के बीच प्रदर्शनकारी तीन-चार घंटे तक विधायक का इंतजार करते रहे। रात करीब 11 बजे उन्हें विधायक के आलीपुरा स्थित घर बुलाए जाने की सूचना मिली, लेकिन ग्रामीणों ने निजी घर पर जाने से इनकार कर दिया। उन्होंने सार्वजनिक स्थान पर बातचीत की मांग रखी।

रात 1:30 बजे हुई बातचीत

इसके बाद प्रशासन ने वाहनों की व्यवस्था की और रात करीब 11:30 बजे पांच-छह बच्चियों तथा ग्रामीणों के प्रतिनिधि मंडल को अधिकारियों के साथ नौगांव सर्किट हाउस भेजा गया। यहां रात करीब 1:30 बजे विधायक कामाख्या प्रताप सिंह के साथ बातचीत हुई। ग्रामीण प्रतिनिधि सूरज अहिरवार के अनुसार, विधायक ने तीनों मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन देते हुए तीन-चार दिन में टेंडर प्रक्रिया शुरू कराने की बात कही। इसके बाद आंदोलन समाप्त कर दिया गया।

बारिश में भीगते रहे, लेकिन पीछे नहीं हटे

आंदोलन के दौरान बच्चे और ग्रामीण बारिश में भीगते हुए महाराजपुर से गढ़ीमलहरा के बीच तक पहुंचे। उनका कहना था कि जब तक मांगों पर ठोस कार्रवाई का भरोसा नहीं मिलेगा, वे वापस नहीं लौटेंगे। सबसे मार्मिक तस्वीर यह रही कि जिन हाथों में किताबें होनी चाहिए थीं, उनमें सड़क, पुल और बिजली की मांगों के सवाल थे। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से समस्याएं बताने के बावजूद समाधान नहीं हुआ, इसलिए बच्चों को लेकर पैदल निकलने की नौबत आई।

अब आश्वासन की अग्निपरीक्षा

आंदोलन तो खत्म हो गया, लेकिन असली सवाल अब शुरू हुआ है। ग्रामीणों को तीन-चार दिन में टेंडर प्रक्रिया शुरू होने का आश्वासन मिला है। अब देखना यह है कि यह आश्वासन कागज से जमीन तक कब पहुंचता है और वर्षों से सड़क, पुल व बिजली का इंतजार कर रहे टटम गांव के लोगों को वास्तव में सुविधा कब मिलती है।

उज्जैन में दो दिनों में दस लाख से अधिक भक्तों ने किए भगवान महाकाल के दर्शन

कोबर डॉट कॉम । न्यूज



उज्जैन। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में श्रावण मास के तीसरे विक्रेड ने श्रद्धालुओं की संख्या का नया रिकार्ड बनाया है। शनिवार को 15 अगस्त यानी राष्ट्रीय पर्व का अवकाश तथा रविवार को साप्ताहिक छुट्टी होने से देशभर से हजारों भक्त भगवान महाकाल के दर्शन करने मंदिर पहुंचे। मंदिर प्रशासन के अनुसार दो दिनों में दस लाख से अधिक भक्तों ने भगवान महाकाल के दर्शन किए। श्रावण मास में महाकाल के दरबार में आस्था उमड़ रही है। प्रतिदिन देशभर से हजारों श्रद्धालु भगवान महाकाल के दर्शन करने मंदिर पहुंच रहे हैं। मंदिर प्रशासन के अनुसार 15 अगस्त शनिवार को छह लाख 57 हजार 218 भक्तों ने भगवान महाकाल के दर्शन किए। रविवार को पांच लाख से अधिक भक्त मंदिर पहुंचे। रविवार को अत्यधिक भीड़ होने के कारण दिन में कुछ देर के लिए गेट नं.एक से दर्शनार्थियों का प्रवेश रोकना पड़ा। दर्शनार्थियों को शीघ्र दर्शन के लिए भी दो से तीन घंटे का समय लगा। सोमवार को नागपंचमी पर भी हजारों भक्तों के मंदिर पहुंचने की संभावना है।

आज महाकाल दर्शन के लिए यहां से प्रवेश

नागपंचमी के महासंयोग में आए श्रावण मास के तीसरे सोमवार पर मंदिर प्रशासन ने भगवान महाकाल के दर्शन के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। नागचंद्रेश्वर मंदिर में प्रवेश की व्यवस्था अलग है। सोमवार को जिन भक्तों को भगवान महाकाल के दर्शन करना है, उन्हें इन द्वारों से प्रवेश करना होगा।

महाकाल सामान्य दर्शन

भगवान महाकाल के निश्शुल्क दर्शन वाले सामान्य श्रद्धालुओं को त्रिवेणी संग्रहालय स्थित त्रिवेणी प्रवेश द्वार से प्रवेश मिलेगा। इसके बाद श्रद्धालु नंदी द्वार, मानसरोवर फैसिलिटी, गणेश मंडप और कार्तिक मंडप होते हुए दर्शन मार्ग पर पहुंचेंगे। दर्शन के बाद एम्बुलेंस गेट से निकासी और पिनाकी द्वार से बाहर जाने की व्यवस्था रहेगी।

मुरैना के स्कूल से लापता हुई 4

नाबालिग छात्राएं सूरत रेलवे स्टेशन पर मिलीं, जीआरपी की निगरानी में सुरक्षित

मुरैना। मुरैना जिल के जौरा में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गद्दी स्कूल में जाने के लिए घर से निकली चार किशोरियां अचानक लापता हो गईं। दोपहर बाद तक भी किशोरियां अपने घरों तक नहीं पहुंची तो स्वजन ने तलाश की, लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। शाम को इस बात की सूचना जौरा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने टीमें गठित कर पड़ताल की। इसके बाद रविवार को उनका पता सूरत रेलवे स्टेशन पर मिला, जिस पर जीआरपी पुलिस ने अपने अपने कब्जे में ले लिया। वहीं किशोरियों को लाने जौरा थाने से टीम सूरत के लिए रवाना कर दी गई है। तीन छात्राएं आपस में रिश्तेदार बताई जा रही हैं। वहीं चौथी एक छात्रा की पड़ोसी है। जानकारी के मुताबिक जौरा क्षेत्र के अलग अलग इलाकों की 10वीं व 11वीं की चार छात्राएं सुबह आठ बजे अपने घरों से निकलीं थी, लेकिन वे स्कूल नहीं पहुंची। किशोरियों के लापता होने पर स्वजन ने पता किया तो चारों रामआसरे माता तक आती दिखाई दीं थी। जिस पर शाम को पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने किशोरियों की तलाश में सीसीटीवी फुटेज खंगाला शुरू किया।

वर्ष 2027 होगा युवाओं का वर्ष

युवाओं को बनाएंगे उद्योगपति, ताकि वे नौकरी देने वाले बनें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

युवा ही देंगे देश और प्रदेश की विकासधारा को नई दिशा

हम युवाओं के कल्याण की दिशा में बढ़ रहे हैं आगे

कोबर डॉट कॉम । न्यूज

भोपाल, जसं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पूज्य संत अवधूत श्री दादागुरु भगवान ने रविवार को मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी कैंपस में आयोजित 'युवा संवाद' कार्यक्रम में सहभागिता की। 'युवा संवाद' का विषय 'प्रकृति केन्द्रित जीवन : व्यवस्था एवं विकास' था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद युवाओं से आत्मीय संवाद कर उनके शिक्षा, रोजगार, आजीविका, स्वास्थ्य और युवाओं के विकास के लिए सरकार के प्रयासों पर केन्द्रित प्रश्नों के उत्तर दिए। कार्यक्रम के दौरान पूज्य संत श्री दादागुरु भगवान एवं मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने वर्ष 2027 को युवा वर्ष घोषित करने के लिए प्रदेश के सभी युवाओं की तरफ से मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया और उन्हें तुलसी का पौधा एवं शॉल भेंटकर तथा प्रतीक चिन्ह देकर अभिनंदन किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवा संवाद में संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं में निहित असीम ऊर्जा को एक नई दिशा देकर प्रदेश के विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित कर रही है। युवा ही विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश



का सपना साकार करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार हर संभव तरीके से युवाओं के कल्याण की दिशा में आगे बढ़ रही है। युवाओं के हित में ठोस प्रयासों के लिए हमने आने वाले वर्ष 2027 को 'युवा वर्ष' घोषित किया है। प्रदेश में औद्योगिक विकास, रोजगार के नए साधन, शासकीय सेवा में नई भर्ती और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देकर हमने युवाओं के लिए प्रदेश में हर तरह के संसाधन उपलब्ध कराए हैं। युवा वर्ष 2027 के लिए भी हमारी तैयारी जारी है। हम योजनाबद्ध तरीके से पूरे साल युवाओं के कल्याण और उनके कौशल विकास से जुड़ी गतिविधियां आयोजित करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हो रहे औद्योगिक विकास का लाभ हम युवाओं को देना चाहते हैं। हमारी सरकार युवाओं को भारी उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा कुटीर एवं ग्रामोद्योग सहित स्वरोजगार से जोड़कर उनके कौशल का विकास कर रही हैं। हमारी सरकार की मंशा है कि हमारे युवा उद्योगपति बनें, ताकि वे रोजगार

मांगने वाले नहीं, रोजगार देने वाली सक्षम स्थिति में आ जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवाओं से संवाद कर उन्हें हमेशा ऊर्जा मिलती है। युवाओं के कल्याण के लिए नए आइडिया मिलते हैं। हमारी सरकार इस तरह के युवा संवाद से मिले सकारात्मक और नवाचारी विचारों को अमलीजामा पहनाने के लिए प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कहा कि रेडीमेड गारमेंट जैसे श्रम आधारित उद्योग स्थापित करने पर नीति के अनुसार प्रति श्रमिक 5 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन सहायता दी जा सकती है। इसका उद्देश्य उद्योगों के विकास के साथ अधिक से अधिक रोजगार सृजित करना है। हमारी विशेष प्राथमिकता है कि बहनों को भी उद्योगों में रोजगार मिले। लाइली बहनों को राज्य सरकार प्रतिमाह 1500 रुपये की सहायता दे रही है। यदि वे रेडीमेड गारमेंट अथवा किसी अन्य उद्योग में काम करती हैं, तो शासन द्वारा प्रति महिला श्रमिक प्रोत्साहन सहायता और उद्योगपति द्वारा वेतन दिए जाने से वे प्रतिमाह 10 से 15

हजार रुपये तक अर्जित कर सकती हैं। इससे महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेंगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में श्रम कानूनों में किए गए सुधारों को मध्यप्रदेश सरकार ने भी अपनाया है। श्रमिकों की सहमति और निर्धारित नियमों के अंतर्गत कार्य के घंटों में लचीलापन दिया गया है। कोई श्रमिक यदि चार दिनों में निर्धारित 48 घंटे का कार्य पूरा करता है, तो उसे शेष तीन दिन परिवार अथवा अपने गांव के लिए मिल सकते हैं। कानून जनता की सुविधा, सहायता और उसकी क्षमता के सदुपयोग के लिए होना चाहिए। मुझे प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश तेजी से निवेश और औद्योगिक विकास की ओर बढ़ रहा है। भोपाल भी निवेश की दृष्टि से आकर्षक औद्योगिक गंतव्य बन रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और आसपास विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्रों का लाभ भोपाल सहित पूरे प्रदेश के युवाओं को मिलेगा। राज्य सरकार का अंतिम लक्ष्य युवाओं को केवल रोजगार दिलाना नहीं, बल्कि उन्हें रोजगार देने वाला बनाना है। हमने प्रदेश के युवाओं को उद्यमी और उद्योगपति बनाने का संकल्प लिया है, ताकि वे स्वयं आगे बढ़ने के साथ अनेक लोगों को रोजगार प्रदान कर सकें। पूज्य संत अवधूत श्री दादागुरु भगवान ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु हमेशा विचार और दृष्टि देते हैं। उनका एक विचार ही इस जीवन और जगत का आधार बन जाता है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया की नजर भारत पर है।

MP में 3 हजार सैंपलों के बोझ तले दबी भोपाल लैब

इंदौर की तैयार लैब पर लगा ताला, रिपोर्ट में देरी से मिलावटखोरों पर नहीं कस पा रहा शिकंजा

कोबर डॉट कॉम । न्यूज

भोपाल। थाली में जो परोसा जा रहा है, वह असली है या मिलावटी? इसकी पुष्टि करने वाला प्रदेश का प्रशासनिक तंत्र खुद भारी अमले की परेशानी से जूझ रहा है। मैदानी स्तर पर अधिकारियों का कमी है, तो नमूनों की जांच के लिए बनाई जा रही प्रयोगशालाएं सालों बाद भी अधूरी पड़ी हैं। नतीजतन, पूरे प्रदेश का बोझ अकेले भोपाल स्थित प्रयोगशाला पर आ गया है, जिससे मिलावट की जांच रिपोर्ट आने में हफ्तों नहीं, बल्कि महीनों लग रहे हैं। हम बता दें कि खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत सब्जी विक्रेता और ढाबे से लेकर बड़े होटलों तक, हर खाद्य कारोबारी के लिए लाइसेंस या पंजीकरण अनिवार्य है।

नियम सख्त हैं, लेकिन इन्हें लागू कराने वाला अमला जरूरत के हिसाब से बेहद कम है। भोपाल में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के सभी 09 स्वीकृत पद भरे हुए हैं, लेकिन ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर संभाग, सागर और नर्मदापुरम समेत अन्य जिलों में अधिकारियों की भारी कमी है। इसके कारण बाजारों में निगरानी का काम बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।



3000 सैंपल और अकेली भोपाल लैब

प्रदेशभर से हर महीने करीब 3,000 खाद्य नमूने जांच के लिए लिए जाते हैं। इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में नई प्रयोगशालाओं का निर्माण कार्य चल रहा है, लेकिन वह अब तक शुरू नहीं हो सकी हैं। इंदौर की लैब की इमारत और मशीनें तैयार हैं, पर तकनीकी खामियों के कारण वहां जांच शुरू नहीं हो पाई है।

सबका बोझ अकेले भोपाल लैब पर है। इस वजह से रिपोर्ट आने में अत्यधिक समय लग रहा है और समय पर कार्रवाई

न होने का सीधा फायदा मिलावटखोरों को मिल रहा है।

दिसंबर 2026 में मिलेंगे 123 नए अधिकारी

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के जरिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के 123 पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और अंतिम चयन सूची भी जारी हो चुकी है। हालांकि, इन नवनि्युक्त अधिकारियों की सेवाएं विभाग को दिसंबर 2026 तक ही मिल पाएंगी।

भर्ती का गणित

- जुलाई 2025: 67 पदों के लिए प्रारंभिक नोटिफिकेशन जारी हुआ।

-संशोधित मांग: विभाग की मांग पर 56 अतिरिक्त पद जोड़े गए (कुल 123 पद)।

-14 दिसंबर 2025: लिखित परीक्षा आयोजित की गई।

-15 से 24 अप्रैल 2026: साक्षात्कार प्रक्रिया संपन्न हुई।

वर्गवार पदों की स्थिति
अन्य पिछड़ा वर्ग : 38 पद
अनारक्षित : 40 पद
अनुसूचित जनजाति : 18 पद
अनुसूचित जाति : 17 पद